Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

M.A. Darshan, Semester : Fourth
Darshan ; Paper : Third

वेदान्त-मीमांसा-4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. ब्रह्मसूत्रानुसार ब्रह्मज्ञान के साधनभूत अङ्गों का प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
2. ब्रह्माधिगम होने के अनन्वर पुण्य एवं पाप कर्मों की क्या गति होती है? वेदान्तदर्शनानुसार वर्णन करें।
3. वेदान्तदर्शनानुसार उत्क्रमणकाल में वागादि इद्धियों के लीनत्व का वर्णन करें।
4. देवयानमार्ग के माध्यम से आत्मा कार्यब्रह्म को प्राप्त होता है अथवा कारणब्रह्म को? विभिन्न आचार्यो के मत को प्रस्तुत करते हुए महर्षि बादरायण के मत का उल्लेख करें।
5. मीमांसा दर्शनानुसार षड्विध प्रमाणों का उल्लेख करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. मुक्तात्मा के ऐश्वर्य के संदर्भ में वेदान्तमत को प्रस्तुत करें।
7. मोक्ष में जीवात्मा की अवस्थिती का वर्णन करें।
8. "योगिनः प्रति च स्मर्यते स्मार्ते चैते" सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
9. विभिन्न आध्यात्मग्रन्थों के अनुसार अर्चिरादि पथों का समन्वयात्मक वर्णन करें।
10. वेदान्तदर्शन में वर्णित लिङ्ग शरीर के स्वरूप का वर्णन करें।
11. "अभावं बादरिराह ह्येवम्" सूत्र की व्याख्या करें।
12. मीमांसादर्शनानुसार अर्थवाद का निरूपण करें।

----------x----------